

THINK IAS

JOIN SAMYAK

Samyak

An Institute For Civil Services

DAILY

CURRENT नामा

8, 9 सितम्बर 2024

📞 9875170111

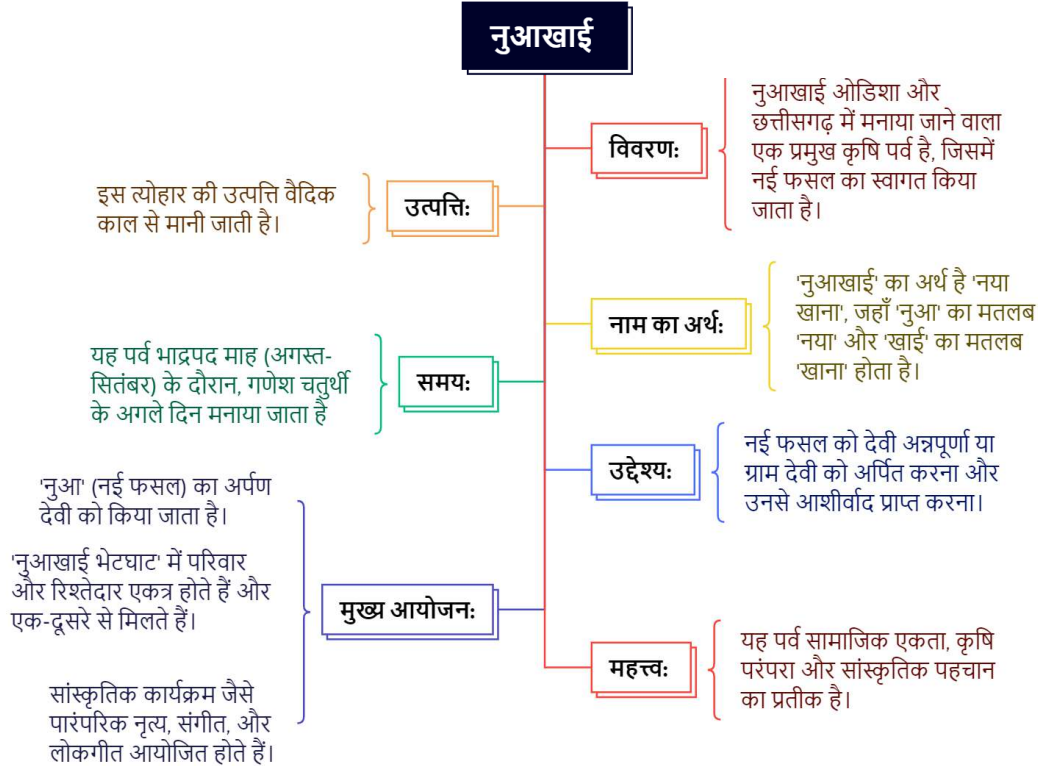
📍 SAMYAK IAS, NEAR RIDDHI-SIDDHI, JAIPUR

Art and Culture

1. नुआखाई

मुखियों में क्यों? >>

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने कृषि पर्व नुआखाई के अवसर पर हार्दिक शुभकामनाएं दीं।

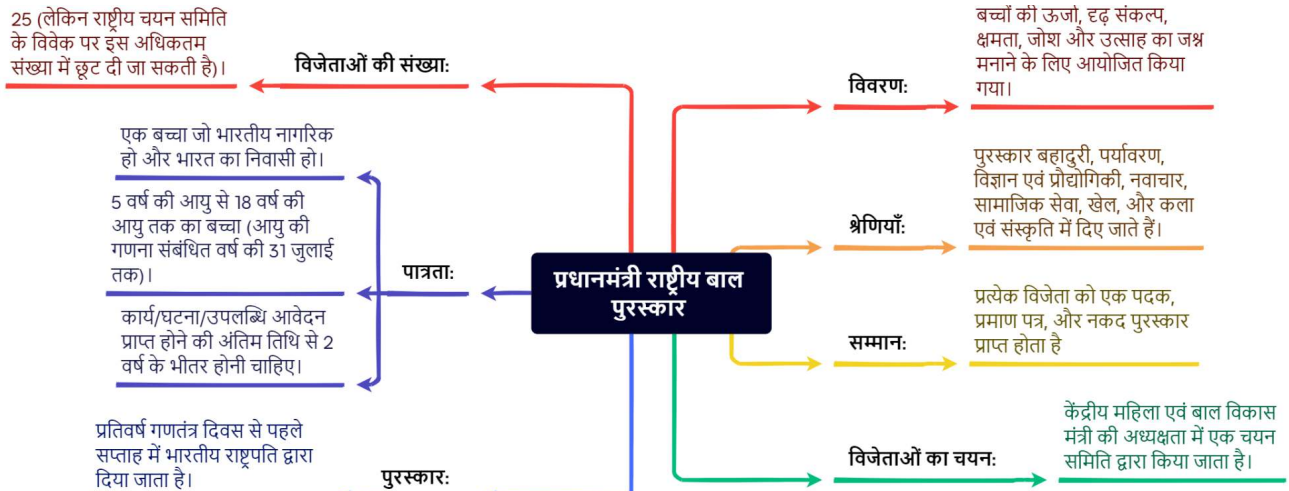


समाज

2. प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार

मुखियों में क्यों? >>

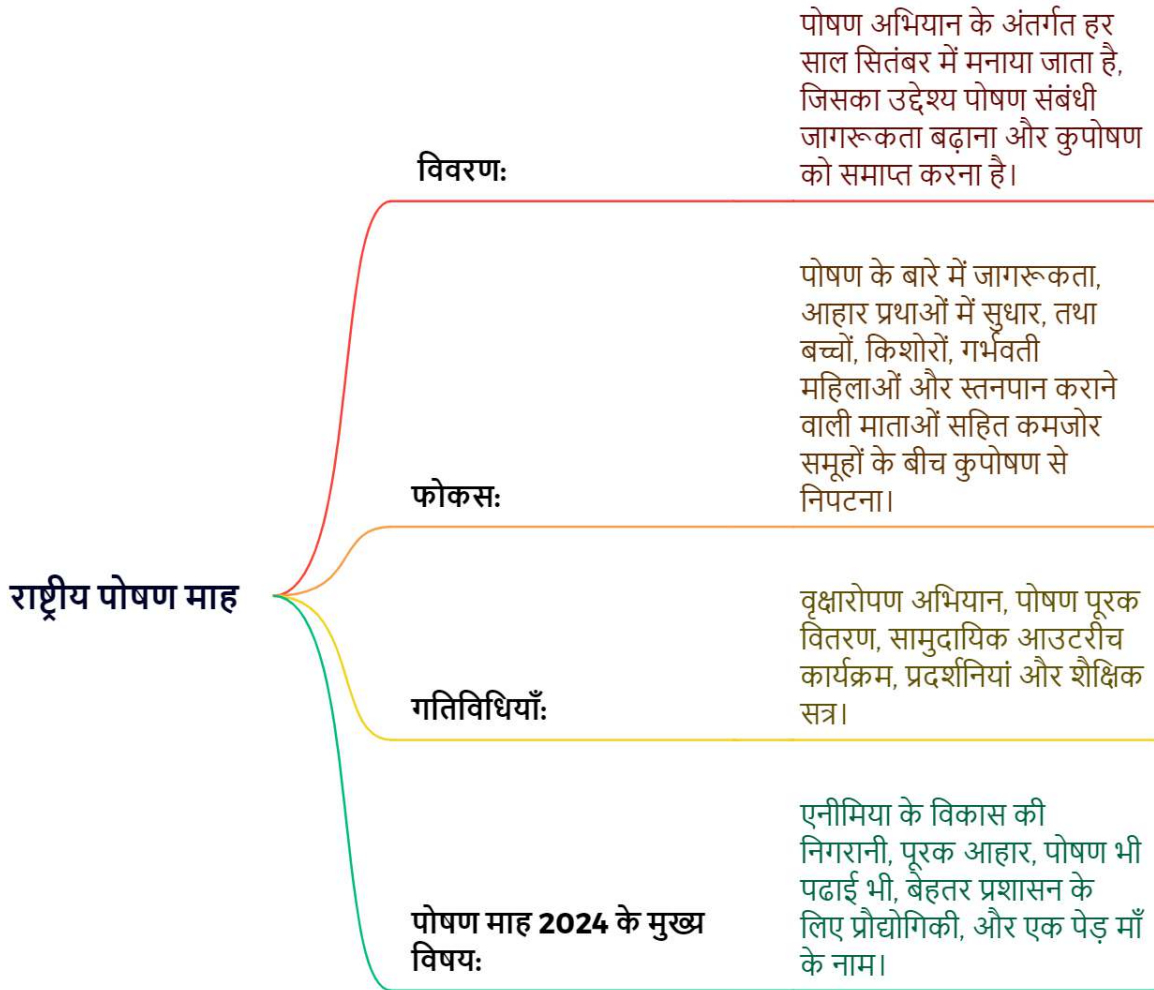
महिला एवं बाल विकास मंत्रालय, बच्चों को बहादुरी, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी, नवाचार, सामाजिक सेवा, खेल, और कला एवं संस्कृति में विशिष्ट उपलब्धियों के लिए हर वर्ष प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार प्रदान करता है।



3. पूरक आहार के माध्यम से बच्चों का स्वास्थ्यकर विकास सुनिश्चित करना - पोषण माह 2024 का महत्वपूर्ण विषय

मुख्तियों में क्यों? »

महिला एवं बाल विकास मंत्रालय इस वर्ष 7वां राष्ट्रीय पोषण माह मना रहा है, जो एक महीने तक चलने वाला कार्यक्रम है। इसका उद्देश्य जमीनी स्तर पर पोषण परिणामों में सुधार करना और व्यवहार में बदलाव को प्रोत्साहित करना है। इस वर्ष पोषण माह की थीम 'पूरक आहार, शिशु पोषण का महत्वपूर्ण पहलू' है।



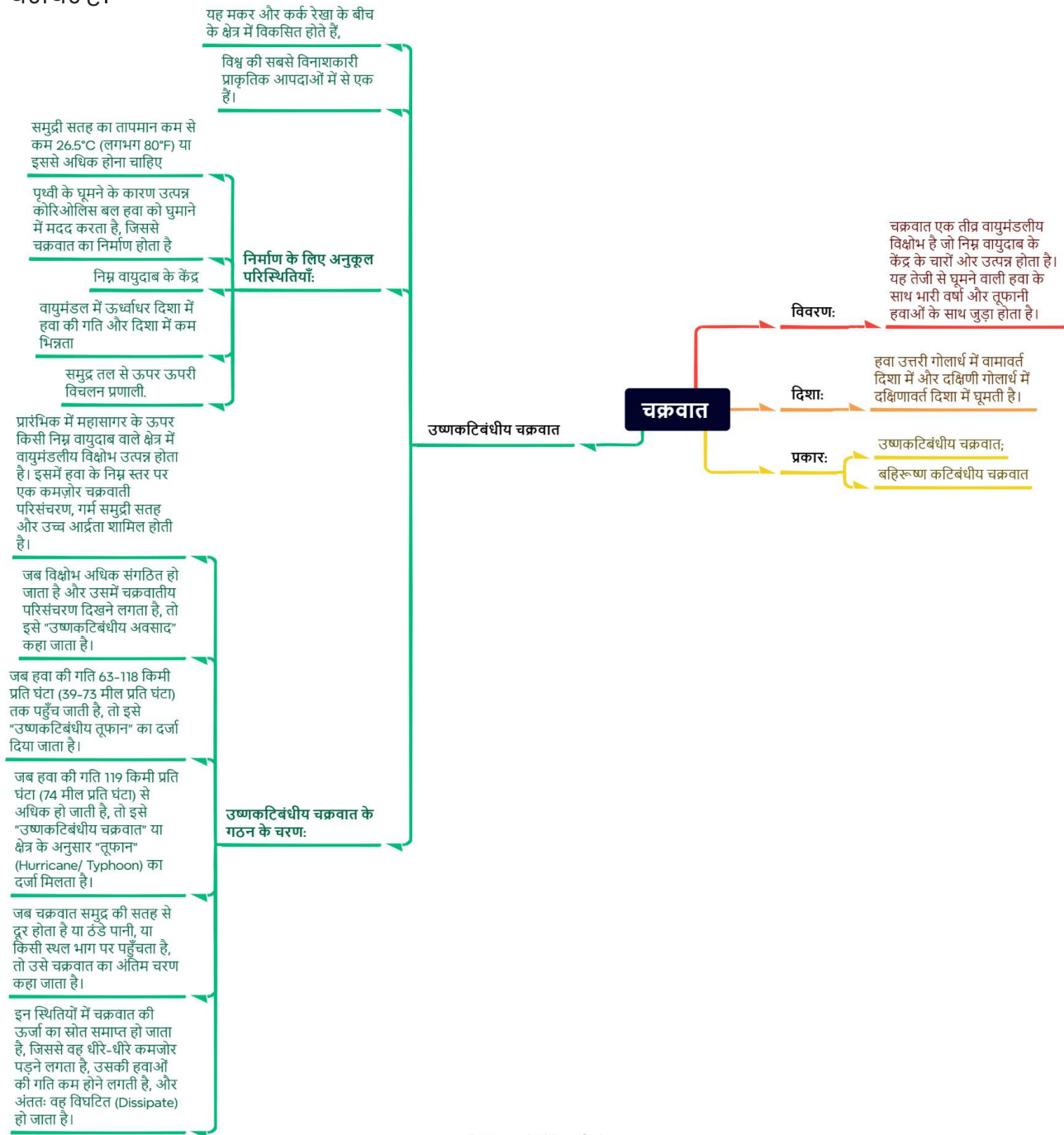
भूगोल

4. शक्तिशाली चक्रवात , 'यागी'

मुख्तियों में क्यों? »

- इस साल का सबसे शक्तिशाली चक्रवात 'यागी' दक्षिण चीन के द्वीप प्रांत हैनान में तबाही मचाने के बाद उत्तरी वियतनाम में पहुंच गया।
- चक्रवात यागी शुरू में उत्तर-पश्चिमी फिलीपींस में एक उष्णकटिबंधीय चक्रवात के रूप में बना, फिर दक्षिण चीन सागर में आगे बढ़ने के साथ यह ताकतवर हो चला गया।

- यागी चीन में अब तक दर्ज किया गया सबसे शक्तिशाली शरद ऋतु चक्रवात है, और 2024 में वैश्विक स्तर पर दूसरा सबसे शक्तिशाली चक्रवात होगा। इसे 'सुपर टाइफून' के रूप में वर्गीकृत किया गया है, जो श्रेणी 5 चक्रवात के बराबर है।



Polity

5. केंद्र ने चिंता जताए जाने के बाद सांख्यिकीय सर्वेक्षणों पर पैनल को भंग कर दिया

मुखियों में क्यों? »

- केंद्र सरकार ने हाल ही में सांख्यिकी सर्वेक्षणों की देखरेख के लिए स्थापित 14 सदस्यीय पैनल, सांख्यिकी पर स्थायी समिति को भंग कर दिया। आर्थिक जनगणना और दशकीय जनसंख्या जनगणना के संचालन में देरी पर सदस्यों द्वारा उठाई गई चिंताओं के बाद यह विघटन किया गया है।

- भारत की अंतिम जनगणना 2011 में की गई थी, तथा 2021 में होने वाली अगली जनगणना अनिश्चित काल के लिए विलंबित कर दी गई है। इससे अद्यतन जनगणना आंकड़ों के अभाव में घरेलू सर्वेक्षणों की विश्वसनीयता पर सवाल उठ रहे हैं।

सांख्यिकी पर स्थायी समिति

- आर्थिक सांख्यिकी पर स्थायी समिति का गठन पहली बार दिसंबर 2019 में किया गया था। **13 जुलाई, 2023** को इसका नाम बदलकर और इसका विस्तार करके 'सांख्यिकी पर स्थायी समिति' का गठन किया गया।

उद्देश्य:

- मौजूदा ढांचे की समीक्षा करना और सर्वेक्षण पद्धतियों, डिजाइन, सर्वेक्षण उपकरणों और परिणामों से संबंधित मुद्दों का समाधान करना।
- डेटा संग्रह कार्यक्रम को अंतिम रूप देने से पहले पायलट सर्वेक्षण और पूर्व-परीक्षण के संचालन पर मार्गदर्शन प्रदान करना।
- डेटा अंतराल की पहचान करना और सांख्यिकीय प्रणाली में सुधार के लिए रणनीति सुझाना।

देश में सांख्यिकीय प्रणाली के योजनाबद्ध विकास के लिए एक नोडल एजेंसी

भारत सरकार के मंत्रालयों/ विभागों और राज्य सांख्यिकीय ब्यूरो (एसएसबी) के संबंध में सांख्यिकीय कार्य का समन्वय करना

राष्ट्रीय लेखा तैयार करता है

अंतर्राष्ट्रीय सांख्यिकीय संगठनों जैसे कि संयुक्त राष्ट्र सांख्यिकीय प्रभाग (यूएनएसडी), एशिया तथा प्रशान्त के लिए आर्थिक एवं सामाजिक आयोग (एस्केप), एशिया तथा प्रशान्त के लिए सांख्यिकीय संस्थान (सियाप), अन्तर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ), एशियाई विकास बैंक (एडीबी), खाद्य एवं कृषि संगठन (एफएओ), अंतर्राष्ट्रीय श्रम संगठन (आईएलओ) आदि से सम्पर्क बनाए रखता है

"त्वरित अनुमानों" के रूप में प्रत्येक माह औद्योगिक उत्पादन सूचकांक (आईआईपी) को संकलित तथा जारी करता है;

वार्षिक उद्योग सर्वेक्षण (एसआई) का आयोजन करता है;

अखिल भारतीय आर्थिक गणनाओं का आवधिक आयोजन तथा अनुवर्ती उद्यम सर्वेक्षणों पर कार्रवाई करता है

अखिल भारतीय आर्थिक गणना, नमूना सर्वेक्षण, और सामाजिक-आर्थिक सर्वेक्षणों का आयोजन और आंकड़ा प्रसंस्करण।

गैर-सरकारी संगठनों और अनुसंधान संस्थानों के लिए अनुदान और सांख्यिकीय सम्मेलनों का वित्त पोषण।

एनएसओ की जिम्मेदारियाँ

भारत की सांख्यिकीय प्रणाली

सांख्यिकी विभाग और कार्यक्रम कार्यान्वयन विभाग के विलय के पश्चात् 1999 में सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय एक स्वतंत्र मंत्रालय के रूप में अस्तित्व में आया।

मंत्रालय में दो स्कंध है, एक सांख्यिकी से संबंधित है तथा दूसरा कार्यक्रम कार्यान्वयन से।

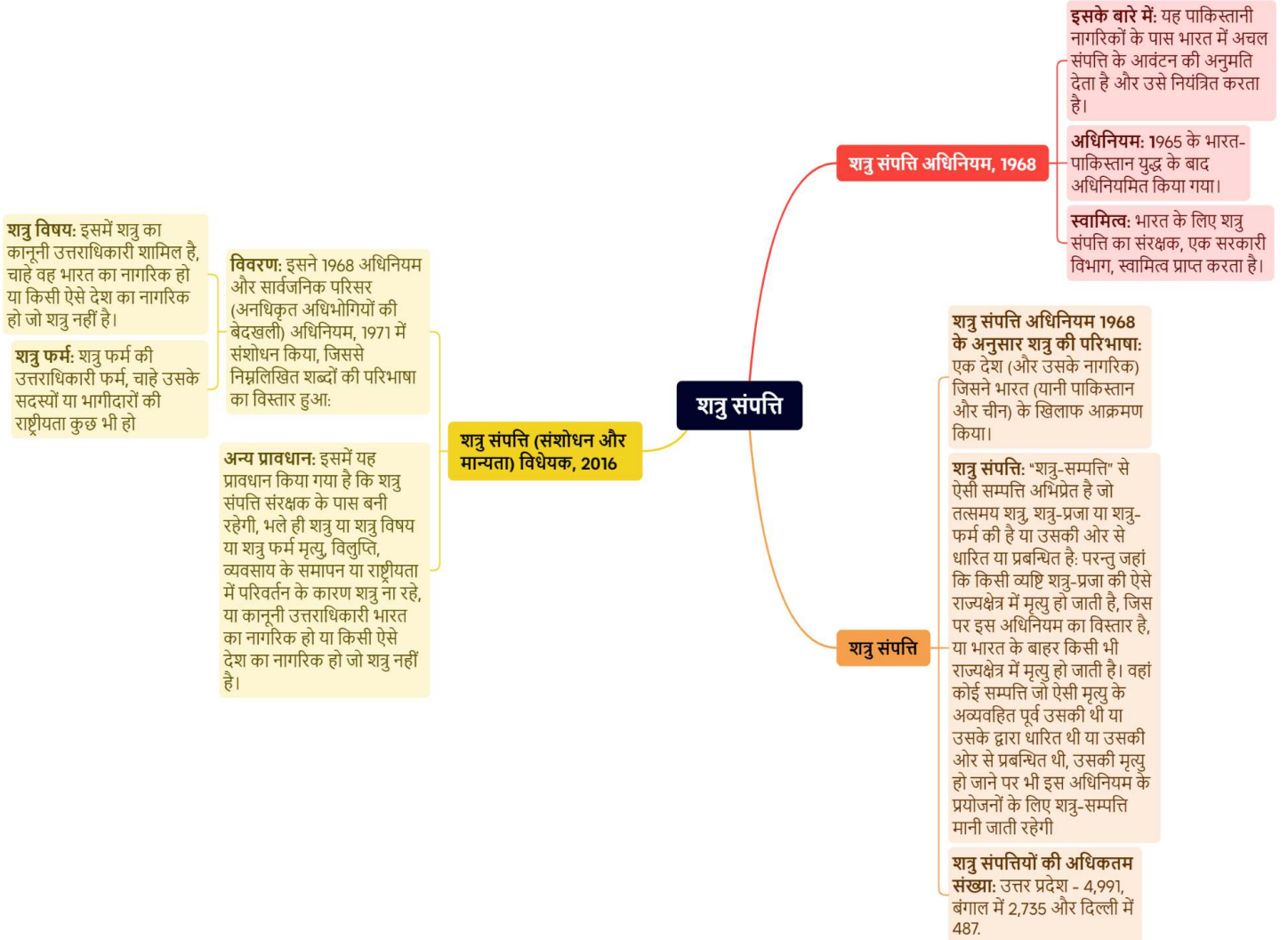
एनएसओ नामक सांख्यिकी विंग में केन्द्रीय सांख्यिकी कार्यालय (सीएसओ), कंप्यूटर केंद्र और राष्ट्रीय नमूना सर्वेक्षण कार्यालय (एनएसएसओ) शामिल हैं।

सांख्यिकी स्कंध, जिसे राष्ट्रीय सांख्यिकीय कार्यालय कहा जाता है, में केन्द्रीय सांख्यिकीय कार्यालय, संगणक केन्द्र, राष्ट्रीय प्रतिदर्श सर्वेक्षण कार्यालय हैं।

6. शत्रु- सम्पत्ति अधिनियम

मुखियों में क्यों? »

उत्तर प्रदेश में जमीन का एक हिस्सा, जो पहले पाकिस्तान के पूर्व राष्ट्रपति परवेज मुशरफ के परिवार का था, शत्रु संपत्ति अधिनियम के तहत नीलाम होने वाला है।



7. अच्छे डिजिटल सार्वजनिक बुनियादी ढांचे से हमारा क्या तात्पर्य है

मुखियों में क्यों? »

- हाल ही में, "अच्छे डिजिटल सार्वजनिक अवसंरचना (DPI)" की अवधारणा को प्रमुखता मिली है, क्योंकि निजी उद्यमों, सरकारी निकायों, गैर-लाभकारी संगठनों और थिंक टैंकों सहित विभिन्न हितधारक अपने DPI समाधानों को बनाने और बढ़ावा देने का प्रयास कर रहे हैं।

- सिटीजन स्टैक को DPI समाधानों की अखंडता और विश्वसनीयता का मूल्यांकन करने, "अच्छे DPI" लिए मानक और सिद्धांत निर्धारित करने हेतु एक मॉडल के रूप में उजागर किया गया है।

नागरिक के अन्य हितधारकों से संतुलित संबंध बनाए रखना: नागरिकों, बाज़ार और राज्य के बीच संतुलित संबंध सुनिश्चित करना।

नागरिक सशक्तीकरण और गोपनीयता की रक्षा करना: सहमति-आधारित डेटा साझाकरण लागू करना।

एकाधिकार को रोकना: अंतर-संचालन सुनिश्चित करना और एकाधिकार को रोकना।

तकनीकी-कानूनी विनियमन: नैतिक तकनीक के उपयोग के लिए कानूनी ढाँचों के साथ प्रौद्योगिकी को मिलाना।

सार्वजनिक-निजी नवाचार: कॉर्पोरेट हितों के प्रभुत्व को रोकते हुए नवाचार को बढ़ावा देना।

अच्छे DPI के पाँच सिद्धांत (सिटीजन स्टैक द्वारा):

इंडिया स्टैक से प्रेरित, यह एक ऐसा इकोसिस्टम है जो DPI के लिए एक विनियामक निकाय या ऑडिटर के रूप में कार्य करता है।

यह सुनिश्चित करता है कि DPI समाधान कड़े गुणवत्ता और सुरक्षा मानकों को पूरा करते हैं।

सिटीजन स्टैक:

डिजिटल सार्वजनिक अवसंरचना (DPI)

विवरण: DPI ऐसे प्लेटफॉर्म हैं जो डिजिटल तकनीक का उपयोग करके सार्वजनिक सेवाएँ प्रदान करते हैं।

महत्व: वे सरकारी सेवाओं को सक्षम बनाने, आर्थिक विकास को बढ़ावा देने और समावेशिता को बढ़ावा देने के लिए महत्वपूर्ण हैं।

परिभाषा: ओपन एप्लीकेशन प्रोग्रामिंग इंटरफेस (API) और डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर का एक सेट।

उद्देश्य: सार्वजनिक डिजिटल सेवाओं का एक व्यापक समूह प्रदान करना। इसे भारत में पहचान सत्यापन, डिजिटल भुगतान और सुरक्षित डेटा साझाकरण को सक्षम करने के लिए डिज़ाइन किया गया है। साथ ही, इसे देश में डिजिटल लेनदेन को सुविधाजनक बनाने, वित्तीय समावेशन को बढ़ाने और डिजिटल शासन का समर्थन करने के लिए बनाया गया था।

इंडिया स्टैक:

विवरण: यह सफल DPI का एक उल्लेखनीय उदाहरण है, जिसमें आधार (डिजिटल पहचान), UPI (एकीकृत भुगतान इंटरफेस), और eKYC, डिजिटल हस्ताक्षर और डेटा गोपनीयता उपकरण जैसी अन्य परतें शामिल हैं। यह एक अरब से अधिक नागरिकों की विश्वसनीयता और सुरक्षा सुनिश्चित करता है।

किसके द्वारा विकसित: iSPIRT, एक भारतीय थिंक टैंक।

World Affairs

8. रियाद में भारत-खाड़ी सहयोग परिषद के विदेश मंत्रियों की पहली बैठक में भाग लेंगे विदेश मंत्री डॉ. एस जयशंकर

मुख्तियों में क्योँ? »

विदेश मंत्री एस जयशंकर रियाद में पहली भारत-खाड़ी सहयोग परिषद (जीसीसी) के विदेश मंत्रियों की बैठक में भाग लेंगे। इस ऐतिहासिक बैठक का उद्देश्य भारत और खाड़ी देशों के बीच संबंधों को मजबूत करना है।

खाड़ी सहयोग परिषद

- **विवरण:** यह एक राजनीतिक, आर्थिक, सामाजिक और क्षेत्रीय संगठन है, जिसकी स्थापना बहरीन, कुवैत, ओमान, कतर, सऊदी अरब तथा संयुक्त अरब अमीरात के बीच संपन्न एक समझौते के माध्यम से की गई थी।
- **स्थापना:** मई 1981 में रियाद, सऊदी अरब में।
- **उद्देश्य:** अपने सदस्यों के बीच उनके साझा उद्देश्यों और उनकी समान राजनीतिक और सांस्कृतिक पहचान के आधार पर एकता हासिल करना, जो अरब और इस्लामी संस्कृतियों में निहित हैं।
- **अध्यक्षता:** सदस्य राज्यों के बीच प्रतिवर्ष बदलती रहती है।
- **संरचना:**
 - **सर्वोच्च परिषद:** संगठन का सर्वोच्च प्राधिकारी जो सदस्य-राज्यों के प्रमुखों से बना होता है। इसकी अध्यक्षता सदस्य राज्यों के बीच वर्णमाला क्रम में समय-समय पर बदलती रहती है।
 - **मंत्रिस्तरीय परिषद:** सभी सदस्य देशों के विदेश मंत्रियों या उनके लिए प्रतिनियुक्त अन्य मंत्रियों से मिलकर बनी यह परिषद सर्वोच्च परिषद के निर्णयों को लागू करने के लिए हर तीन महीने में बैठक करती है।
 - **सचिवालय जनरल:** प्रशासनिक शाखा, जो नीति कार्यान्वयन की निगरानी करती है और बैठकों की व्यवस्था करती है।



पर्यावरण

9. शोधकर्ताओं ने नागालैंड में करक्यूमा वंश की नई प्रजाति की खोज की

मुखियों में क्यों? >>

शोधकर्ताओं ने नागालैंड में हल्दी की एक नई किस्म की पहचान की है।

करकुमा अनगमेंसिस

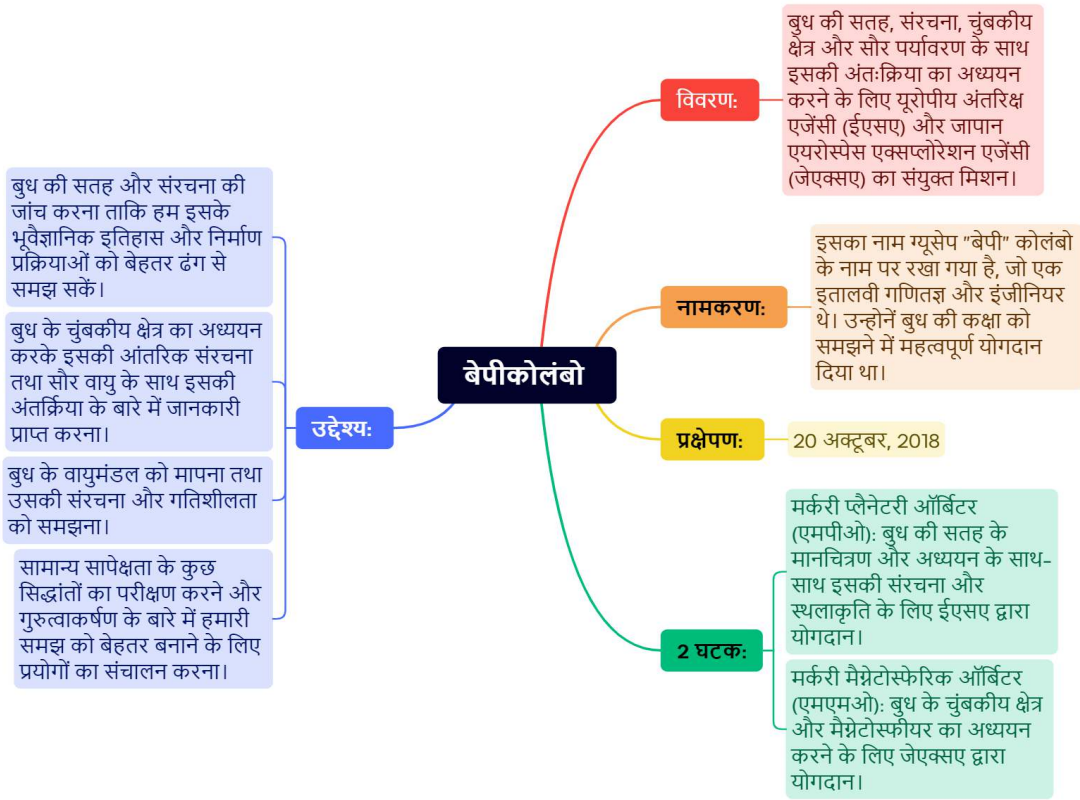
- **जीनस:** करक्यूमा (अदरक परिवार)।
- **प्रकार:** एक प्रकंदीय जड़ी बूटी।
- **फूल कब खिलते हैं:** बरसात के मौसम में अगस्त से अक्टूबर तक।
- **क्या खतरे हैं:** सड़क निर्माण, भवन निर्माण और प्राकृतिक आपदाएँ।
- **वितरण:** दक्षिण और दक्षिण-पूर्व एशिया एवं दक्षिण चीन, उत्तरी ऑस्ट्रेलिया के कुछ भाग में और दक्षिण प्रशांत में पाए जाते हैं।

विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी

10. बुध के दक्षिणी ध्रुव की पहली स्पष्ट तस्वीरों का महत्व

मुखियों में क्यों? >>

अंतरिक्ष यान, बेपीकोलंबो ने हाल ही में बुध के दक्षिणी ध्रुव की पहली स्पष्ट तस्वीर ली है। तस्वीर में ग्रह के कई गह्वे भी कैद किए गए हैं, जिनमें बेसिन के किनारे के भीतर चोटियों के असामान्य छल्ले भी शामिल हैं।



11. एमपोक्स के लक्षण वाले व्यक्ति को अलग रखा गया

मुखियों में क्यों? »

हाल ही में भारत लौटे एक युवा मरीज में एमपाॅक्स (जिसे पहले मंकीपाॅक्स के नाम से जाना जाता था) का संदिग्ध मामला पाया गया है। वह ऐसे देश से लौटा है, जहां एमपाॅक्स का संक्रमण सक्रिय है। मरीज को एक निर्दिष्ट अस्पताल में अलग रखा गया है और उसकी हालत स्थिर बताई गई है।

- यह एक वायरल जूनोटिक बीमारी है (जानवरों से मनुष्यों में संक्रमण)
- वायरस का प्राकृतिक होस्ट अभी भी अपरिभाषित है। लेकिन इस बीमारी के कई जानवरों में होने की सूचना मिली है।
- यह पहली बार 1970 में डेमोक्रेटिक रिपब्लिक ऑफ कांगो (DRC) के मनुष्यों में रिपोर्ट किया गया था
- इससे फ्लू जैसे लक्षण और मवाद से भरी त्वचा के घाव हो सकते हैं।
- प्राथमिक संक्रमण संक्रमित जानवर के रक्त, शारीरिक तरल पदार्थ या त्वचा या म्यूकोसल घावों के सीधे संपर्क के माध्यम से होता है।
- मानव-से-मानव में संक्रमण निकट संपर्क के परिणामस्वरूप हो सकता है
- मंकीपाॅक्स संक्रमण के लिए कोई विशिष्ट उपचार या टीका उपलब्ध नहीं है। अतीत में, एंटी-स्मॉलपाॅक्स वैकसीन को मंकीपाॅक्स को रोकने में 85% प्रभावी दिखाया गया था।

